**ShivBaba's Message – 23rd July, 2017**

**शिवबाबा का संदेश – 23.07.2017**

# समय का इशारा

अच्छा है .. बाबा तो जानते हैं ना, आप भी जानते हैं कि बाबा क्या कहना चाहते हैं। **बाबा का यह संदेश सभी तक पहुँचाना है।** कौनसा संदेश पहुँचाना है? **बाबा .. समय का इशारा देने के लिए आए हैं।** समय का इशारा! क्योंकी बाबा जानते हैं .. कि थोड़े से समय के बाद साइंस के सब साधन समाप्त होने वाले हैं। इसलिए **जो बच्चे बाबा के यज्ञ में रहकर, यज्ञ में ही रहकर, गफलत कर रहे हैं, बाबा से नाफरमानबरदार हैं - उनका क्या होगा?**

**यह संदेश जो है, सभी के पास पहुँच जाना चाहिए! ऊपर जाके, फिर बाबा यह नहीं देखेंगे कि यह बच्चा कितना प्यारा था, कितना अच्छा था। बाबा का सामने सबका रजिस्टर खुलने वाला है। अभी यज्ञ समाप्ति की ओर है। सम्पन्न .. सब अपने आप, समय बना रहा है। समय समाप्त हो चुका है।** यह मत सोचना अभी तो 20 साल पडे हैं .. 100 साल का युग है, तो 20 साल पड़े हैं। 20 साल तो है ही नहीं! **सब कुछ अचानक-अचानक होने वाला है। और, एक और बात बाबा याद दिलाना चाहते हैं .. यह शरीर प्रत्यक्ष नहीं होना चाहिए, सिर्फ बाबा की आवाज पहुँचनी चाहिए। जनक बच्ची को यह संदेश पहुँचाना है .. ताकि वो बच्ची सब की क्लास करा सके, सभी बच्चों को समय का इशारा दे सके .. क्योंकि बच्ची को भी अभी बाबा के पास आना है ना! तो बाबा के पास आते-आते वो समय, जो इशारा देने का है, वो इशारा देकर के ही आए।** क्योंकि **अभी दूसरी बच्ची (शोभा बहन - गुलज़ार दादी) का जो शरीर है, बहुत नाजुक है। बाबा उसका यूज़ नहीं कर सकते।**

**इसलिए यह जो बाबा बोल रहे हैं, सभी तरफ जाना चाहिए। इसमें अगर संशय आया .. तो फेल हुआ! यह नहीं सोचना की अभी बाबा ने ब्रह्मा का तन लिया, फिर दूसरी बच्ची का तन लिया .. अब किसका तन लिया? बाबा ने, जिसका तन लेना है वो लिया .. क्योंकि यह तन गुप्त रूप में है .. किसी के सामने नहीं आना चाहिए। बस, आवाज जानी चाहिए। समझ में आया ना? हाँ! वहाँ तक .. या जहाँ तक आवाज जा सकता है .. जहाँ तक आवाज आप पहुँचा सकते हैं, वहाँ तक बाप की आवाज पहुँचनी चाहिए। पहुँचेगी! पहुँचेगी ना? हाँ! क्योंकि आज बच्चों में ज्ञान कुछ ज्यादा ही चल गया है ना?** लेकिन बाप का नहीं .. खुद का ज्ञान चल गया है। खुद को बाप से भी बड़े ज्ञानी समझते हैं। किस को 20 साल हुए, 30 साल हुए, 40 साल हुए, तो वो समझते हैं की हम बाप के भी बाप बन गए। लेकिन **यह नहीं सोचते कि बाप तो बाप ही है! जो आप बने हो .. वो बाप के वजह से बने हो। ये सारी बातें बच्ची को .. जहाँ मेन-मेन जाना चाहते हैं .. जो भी है, जिस सेन्टर पर भी, और जो अभी .. अभी यहाँ नीकला है, जो पूरी विश्व में चक्कर लगने वाला है, जो सभी युवाएँ मिलकर बाबा को प्रत्यक्ष करने वाले हैं। यह एक लास्ट संदेश होगा। इसके बाद कोई संदेश नहीं है। यही जो भी, जिसके भी बुद्धि में यह प्लान आया है, जिसने भी बनाया है, वो उसने नहीं, बाप ने कैच कराया है। अच्छा .. क्योंकि बच्चे की**

**तन में आकर के तो बाबा इतना नहीं बोल सकता। सभा में भी इतना नहीं बोल सकता। हलचल भी नहीं .. अचल रहना है क्योंकि अब घर जाना है।**

**बच्चों में देह-अभिमान बहुत हो गया है।** साइंस के साधनों में इतना फंस चुके हैं कि जो साइलेंस की शक्ति है, अपना स्वरुप है, वो भूल गए हैं। और साइंस के साधन में फंस गए हैं। अभी देखिए - यह समय क्या कराने वाला है! प्रकृति अपना सब कुछ तो दिखाएगी ना .. जो उसको आर्डर मिला है वो तो करेगी। **बाबा यही बताने चाहते हैं की कोई भी बच्चा 20 साल का इंतज़ार ना करे। देही-अभीमानी स्थिति! स्थिति कैसे होनी चाहिए? देही-अभिमानी!**

**लोहे की पिंजरे से निकलते हैं, सोने की पिंजरे में बंद जाते हैं। लेकिन वो पिंजरा से भी अभी मुक्त होकर के, फरिश्ता बन के बाप के पास, बाप के साथ चलना है। कोई भी बाप कि आज्ञा को, बाप की श्रीमत को समझे .. और बाप का अगर किसने इस श्रीमत का किसने मजाक उड़ाया, तो बाप देख रहा है। एकदम प्रत्यक्ष रूप में इसको दिखा देंगे की बाप क्या है! बाप ने अभी तक धर्मराज का रूप नहीं दिखाया। धर्मराज की भी सन्देश है ना - कि बच्चों को बोलो की जल्दी-जल्दी सम्पन्न बने, जल्दी-जल्दी आए .. क्योंकि बाबा ने सब सेंटर्स पे सब जगह चक्कर लगाया .. कहाँ-कहाँ क्या चल रहा है, वो सब जानते हैं। जानते सब हैं .. लेकिन खोलेंगे नहीं राज़। वो राज़ उन्हीं के सामने खोलेंगे, उन्हीं को मालूम है कि अब बाबा की यज्ञ में रहकर के, बाबा की यज्ञ का खाकर के क्या कर रहे हैं!** जाएगा संदेश बाबा का? पक्का जाएगा? हाँ! जनक बच्ची तक भी बाबा का आवाज पहुँच जाना चाहिए। पहुँचेगा? वो तो बाबा पहुँचा ही देगा! अच्छा है .. जल्दी-जल्दी। बस, **ध्यान रहे .. बाबा की आवाज ही जानी चाहिए। किस तन लिया है, किस तन में आए हैं .. वो प्रत्यक्ष नहीं होना चाहिए .. क्योंकि तीनों नदियों में एक नदी को गुप्त दिखाया है ना!**